देव गजानन संकट हारन | By Ganesh Pathak |

देव गजानन संकट हारन
ऋद्धि सिद्धि के हैं भंडार
शरण तिहारी आए हैं
शरण तिहारी आए हैं
देव गजानन संकट हारन
ऋद्धि सिद्धि के हैं भंडार

सोने को तेरे छत्र सोहे
मुकुट की शोभा न्यारी है
माथे पर तेरे तिलक सोहे
कुंडल चमके भारी है
देव गजानन संकट हारन
ऋद्धि सिद्धि के हैं भंडार

सूँड़ निराला तेरे सोहे
हाथ में फरसा भारी है
तन पे रेशमी वस्त्र सोहे
गल में हार हजारी है
देव गजानन संकट हारन
ऋद्धि सिद्धि के हैं भंडार

योग ऋषि और ज्ञानी जन को
गणपति तुम उद्धार करो
जो जन तेरा ध्यान धरे हैं
उनको भव से पार करो
देव गजानन संकट हारन
ऋद्धि सिद्धि के हैं भंडार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5-%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a8-by-ganesh-pathak/